सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय, पुणे
हिंदी विभाग

राष्ट्रीय शिक्षा नीतिः 2020 के अनुसार
पाठ्यक्रम

एम.ए. : हिंदी (साहित्य) प्रथम तथा द्वितीय वर्ष
अयन : प्रथम–द्वितीय

पाठ्यक्रम : 2023-24

मानविकी संकाय
सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय, पुणे–07 (भारत)
hodhindi@unipune.ac.in

सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय, पुणे
हिंदी विभाग

विभागीय अध्ययन मंडल

1.	प्रो. (डॉ.) विजयकुमार रोडे	–	(अध्यक्ष)
2.	प्रो. (डॉ.) सदानंद भोसले	–	सदस्य
3.	प्रो. (डॉ.) शशिकला राय	–	सदस्य
4.	डॉ. महेश दवंगे	–	सदस्य
5.	डॉ. राजेंद्र घोडे	–	सदस्य
6.	डॉ. नितीन गायकवाड	–	सदस्य

सलाहकार समिति

प्रो. (डॉ.) गजानन चव्हाण

प्रो. (डॉ.) विठ्ठल भालेराव

सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय, पुणे
हिंदी विभाग

एम.ए. हिंदी (साहित्य) प्रथम तथा द्वितीय वर्ष

पाठ्यक्रम

अनुक्रमणिका

अ.क्र.	पाठ्यकम		श्रेयांक	पृष्ठ क्र.
1)	विभागीय अध्ययन मंडल		–	1
2)	प्रथम अयन प्रश्न पत्र सूची		–	4
3)	द्वितीय अयन प्रश्न पत्र सूची		–	5
4)	तृतीय अयन प्रश्न पत्र सूची		–	6
5)	चतुर्थ अयन प्रश्न पत्र सूची		–	7
6)	पाठ्यक्रम श्रेयांक, परीक्षा, मूल्यांकन संरचना सारिणी		–	8-12
7)	HS–1	हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल, भक्तिकाल, रीतिकाल)	4	13-14
8)	HS–2	भाषा तथा भाषा विज्ञान	4	15-16
9)	HS–3	प्राचीन एवं मध्ययुगीन काव्य	4	17-19
10)	HS–4	विशेष रचनाकार : शिवमूर्ति	2	20-22
11)	HS–5	नाटक एवं रंगमंच	4	23-24
12)	HS–6	विज्ञापन–लेखन और हिंदी	4	25-26

13)	HS–7	हिंदी गीत और गज़ल	4	27-29
14)	HS–8	हिंदी साहित्य और भारतीय संस्कृति	4	30-31
15)	HS–9	शोध – प्रविधि : सिद्धांत और स्वरूप	4	32-33
16)	HS–10	हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)	4	34-36
17)	HS–11	शैली विज्ञान	4	37-38
18)	HS–12	आधुनिक कथा साहित्य (उपन्यास, कहानी)	4	39-41
19)	HS–13	विशेष रचनाकार : श्यौराज सिंह 'बेचैन'	2	42-43
20)	HS–14	टेलीविज़न पत्रकारिता	4	44-45
21)	HS–15	प्रादेशिक साहित्य (मराठी)	4	46-48
22)	HS–16	कथेतर साहित्य (आत्मकथा, निबंध, संस्मरण)	4	49-51
23)	HS–17	हिंदी भाषा और साहित्य को महाराष्ट्र का प्रदेय	4	52-53
24)	HS–18	अंतः कार्य प्रशिक्षण	4	54

***

सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय, पुणे

हिंदी विभाग

एम.ए. हिंदी (साहित्य) प्रथम तथा द्वितीय वर्ष

राष्ट्रीय शिक्षा नीति : 2020

पाठ्यक्रम

एम. ए. हिंदी (साहित्य) प्रथम वर्ष

प्रथम अयन

Level : 6.0

- **अनिवार्य विषय (Major Core Mandatory)** — **Credit (श्रेयांक)**

HS–1	हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल, भक्तिकाल, रीतिकाल)	4
HS–2	भाषा तथा भाषा विज्ञान	4
HS–3	प्राचीन एवं मध्ययुगीन काव्य	4
HS–4	विशेष रचनाकार : शिवमूर्ति	2

- **वैकल्पिक विषय (Major Elective Any One)**

HS–5	नाटक एवं रंगमंच	4
HS–6	विज्ञापन–लेखन और हिंदी	
HS–7	हिंदी गीत और ग़ज़ल	
HS–8	हिंदी साहित्य और भारतीय संस्कृति	

- **अनुसंधानपरक विषय (Research Methodology)**

HS–9	शोध – प्रविधि : सिद्धांत और स्वरूप	4

एम. ए. हिंदी (साहित्य) प्रथम वर्ष
द्वितीय अयन
Level : 6.0

		Credit (श्रेयांक)
• **अनिवार्य विषय** (Major Core Mandatory)		
HS–10	हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)	4
HS–11	शैली विज्ञान	4
HS–12	आधुनिक कथा साहित्य (उपन्यास, कहानी)	4
HS–13	विशेष रचनाकार : श्यौराज सिंह 'बेचैन'	2
• **वैकल्पिक विषय** (Major Elective Any One)		
HS–14	टेलीविज़न पत्रकारिता	4
HS–15	प्रादेशिक साहित्य (मराठी)	
HS–16	कथेतर साहित्य (आत्मकथा, निबंध, संस्मरण)	
HS–17	हिंदी भाषा और साहित्य को महाराष्ट्र का प्रदेय	
• **अंतः कार्य प्रशिक्षण** (On job Training)		
HS–18	अंत: कार्य प्रशिक्षण	4

एम. ए. हिंदी (साहित्य) द्वितीय वर्ष
तृतीय अयन
Level : 6.5

		Credit (श्रेयांक)
• **अनिवार्य विषय (Major Core Mandatory)**		
HS-19	आधुनिक काव्य	4
HS-20	भारतीय काव्यशास्त्र	4
HS-21	अनुवाद : सिद्धांत और व्यवहार	4
HS-22	विशेष रचनाकार : गीतांजलि श्री	2
• **वैकल्पिक विषय (Major Elective Any One)**		
HS-23	विज्ञान कथा साहित्य	4
HS-24	सोशल मीडिया और हिंदी	
HS-25	सिनेमा और साहित्य	
HS-26	हिंदी व्यंग्य साहित्य	
• **अनुसंधानपरक विषय (Research Methodology)**		
HS-27	शोध–परियोजना	4

एम. ए. हिंदी (साहित्य) द्वितीय वर्ष
चतुर्थ अयन
Level - 6.5

- **अनिवार्य विषय (Major Core Mandatory)** — **Credit (श्रेयांक)**

HS-28	भारतीय साहित्य	4
HS-29	पाश्चात्य काव्यशास्त्र	4
HS-30	स्त्री–विमर्श	4

- **वैकल्पिक विषय (Major Elective Any One)**

HS-31	हिंदी आलोचना	4
HS-32	सौंदर्यशास्त्र	
HS-33	वैश्विक साहित्य	
HS-34	हिंदी साहित्य और पर्यावरण	

- **अनुसंधानपरक विषय (Research Methodology)**

HS-35	प्रबंध–लेखन	6

सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय, पुणे

हिंदी विभाग

राष्ट्रीय शिक्षा नीतिः 2020

पाठ्यक्रम

एम.ए. : हिंदी (साहित्य) प्रथम वर्ष

अयन : प्रथम तथा द्वितीय

पाठ्यक्रम, श्रेयांक, परीक्षा तथा मूल्यांकन संरचना

प्रथम अयन

Level : 6.0

अनु. क्र.	प्रश्नपत्र संख्या	प्रश्नपत्र शीर्षक	श्रेयांक	कुल तासिकाएँ	अध्यापन	क्षेत्रीय कार्य	अंतर्गत मूल्यांकन	सत्रांत परीक्षा	कुल अंक
• अनिवार्य विषय (Major Core Mandatory)									
1.	HS-1	हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल, भक्तिकाल, रीतिकाल)	4	60	व्याख्यान		50	50	100

2.	HS-2	**भाषा तथा भाषा विज्ञान**	4	60	**व्याख्यान**		50	50	100
3.	HS-3	**प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य**	4	60	**व्याख्यान**		50	50	100
4.	HS-4	**विशेष रचनाकार : शिवमूर्ति**	2	30	**व्याख्यान**		50	50	100
● **वैकल्पिक विषय (**Major Elective -Any one**)**									
5.	HS-5	**हिंदी नाटक एवं रंगमंच**	4	60	**व्याख्यान**	**क्षेत्रीय कार्य**	50	50	100
6.	HS-6	**विज्ञापन और हिंदी**	4	60	**व्याख्यान**	**क्षेत्रीय कार्य**	50	50	100
7.	HS-7	**हिंदी गीत और ग़ज़ल**	4	60	**व्याख्यान**		50	50	100
8.	HS-8	**हिंदी साहित्य और भारतीय संस्कृति**	4	60	**व्याख्यान**		50	50	100
● **अनुसंधानपरक विषय (**Research Methodology**)**									
9.	HS-9	**शोध–प्रविधि : सिद्धांत और स्वरूप**	4	60	**व्याख्यान**		50	50	100

* HS : **हिंदी साहित्य**

एम.ए. : हिंदी (साहित्य)
द्वितीय अयन
Level : 6.0

अनु. क्र.	प्रश्नपत्र संख्या	प्रश्नपत्र शीर्षक	श्रेयांक	कुल तासिकाएँ	अध्यापन	क्षेत्रीय कार्य	अंतर्गत मूल्यांकन	सत्रांत परीक्षा	कुल अंक
● अनिवार्य विषय (Major core Mandatory)									
10.	HS-10	हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)	4	60	व्याख्यान		50	50	100
11.	HS-11	शैली विज्ञान	4	60	व्याख्यान		50	50	100
12.	HS-12	आधुनिक कथा साहित्य (उपन्यास, कहानी)	4	60	व्याख्यान		50	50	100
13.	HS-13	विशेष रचनाकार : श्यौराज सिंह 'बेचैन'	2	30	व्याख्यान		50	50	100
● वैकल्पिक विषय (Major Elective -ny one)									
14.	HS-14	टेलीविज़न पत्रकारिता	4	60	व्याख्यान	क्षेत्रीय कार्य	50	50	100
15.	HS-15	प्रादेशिक साहित्य (मराठी)	4	60	व्याख्यान		50	50	100
16.	HS-16	कथेतर साहित्य (आत्मकथा, निबंध, संस्मरण)	4	60	व्याख्यान		50	50	100
17.	HS-17	हिंदी भाषा और साहित्य को महाराष्ट्र का प्रदेय	4	60	व्याख्यान		50	50	100
● अंत:कार्य प्रशिक्षण (On Job Training)									
18.	HS-18	अंत:कार्य प्रशिक्षण	4	60	अंत : कार्य प्रशिक्षण		50	50	100

एम.ए. : हिंदी (साहित्य) द्वितीय वर्ष
तृतीय अयन
Level : 6.5

*   Exit Option : PG Diploma (44 Credits) after Three Year UG DEgree

अनु. क्र.	प्रश्नपत्र संख्या	प्रश्नपत्र शीर्षक	श्रेयांक	कुल तासिकाएँ	अध्यापन	क्षेत्रीय कार्य	अंतर्गत मूल्यांकन	सत्रांत परीक्षा	कुल अंक
● अनिवार्य विषय (Major core Mandatory)									
19.	HS-19	आधुनिक काव्य	4	60	व्याख्यान		50	50	100
20.	HS-20	भारतीय काव्यशास्त्र	4	60	व्याख्यान		50	50	100
21.	HS-21	अनुवाद : सिद्धांत और व्यवहार	4	60	व्याख्यान	क्षेत्रीय कार्य	50	50	100
22.	HS-22	विशेष रचनाकार : गीतांजलि श्री	2	30	व्याख्यान		50	50	100
● वैकल्पिक विषय (Major Elective Any one)									
23.	HS-23	विज्ञान कथा साहित्य	4	60	व्याख्यान		50	50	100
24.	HS-24	सोशल मीडिया और हिंदी	4	60	व्याख्यान	क्षेत्रीय कार्य	50	50	100
25.	HS-25	सिनेमा और साहित्य	4	60	व्याख्यान	क्षेत्रीय कार्य	50	50	100
26.	HS-26	हिंदी व्यंग्य साहित्य	4	60	व्याख्यान		50	50	100
● अनुसंधानपरक विषय (Research Methodology)									
27.	HS-27	शोध–परियोजना	4	60	शोध–परियोजना		50	50	100

एम.ए. : हिंदी (साहित्य) द्वितीय वर्ष
चतुर्थ अयन
Level : 6.5

अनु. क्र.	प्रश्नपत्र संख्या	प्रश्नपत्र शीर्षक	श्रेयांक	कुल तासिकाएँ	अध्यापन	क्षेत्रीय कार्य	अंतर्गत मूल्यांकन	सत्रांत परीक्षा	कुल अंक
● अनिवार्य विषय (Major core Mandatory)									
28.	HS-28	भारतीय साहित्य	4	60	व्याख्यान		50	50	100
29.	HS-29	पाश्चात्य काव्यशास्त्र	4	60	व्याख्यान		50	50	100
30.	HS-30	स्त्री विमर्श	4	60	व्याख्यान		50	50	100
● वैकल्पिक विषय (Major Elective Any One)									
31.	HS-31	हिंदी आलोचना	4	60	व्याख्यान		50	50	100
32.	HS-32	सौंदर्यशास्त्र	4	60	व्याख्यान		50	50	100
33.	HS-33	वैश्विक साहित्य	4	60	व्याख्यान		50	50	100
34.	HS-34	हिंदी साहित्य और पर्यावरण	4	60	व्याख्यान		50	50	100
● प्रबंध–लेखन (Research Project)									
35.	HS-35	प्रबंध–लेखन	6	90	प्रबंध–लेखन		50	50	100

एम. ए. हिंदी (साहित्य) प्रथम वर्ष
प्रथम अयन
Level : 6.0

HS- 1 हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल, भक्तिकाल, रीतिकाल) श्रेयांक–4

पाठ्यक्रम के उद्देश्य :

1. हिंदी साहित्येतिहास लेखन का परिचय देना।
2. हिंदी साहित्येतिहास के काल विभाजन तथा नामकरण का परिचय देना।
3. आदिकालीन, भक्तिकालीन, तथा रीतिकालीन प्रमुख साहित्यिक प्रवृत्तियों, रचनाकारों से परिचित कराना।
4. आदिकाल तथा भक्तिकाल के काव्य सौंदर्य से परिचित कराना।
5. रीतिकाल की भिन्न काव्यधाराओं से अवगत कराना।

अध्यापन पद्धति :

- व्याख्यान पद्धति
- विश्लेषण पद्धति
- समूह चर्चा

पाठ्यक्रम :

इकाई– I साहित्येतिहास लेखन की परपंरा

हिंदी साहित्येतिहास लेखन की परंपरा, और पद्धतियाँ, आधारभूत सामग्री और हिंदी साहित्येतिहास के पुनर्लेखन की समस्याएँ।

हिंदी साहित्य का इतिहास : काल विभाजन, सीमा–निर्धारण और नामकरण।

इकाई– II हिंदी साहित्य का आदिकाल :

आदिकाल की पृष्ठभूमि, सिद्ध और नाथ साहित्य, रासो काव्य, जैन साहित्य, लौकिक साहित्य। आदिकाल की विशेषताएँ एवं साहित्यिक प्रवृत्तियाँ।

इकाई– III पूर्वमध्यकाल :

भक्ति– आंदोलन के उदय के सामाजिक, सांस्कृतिक तथा राजनीतिक कारण, भक्ति काव्य के प्रमुख संप्रदाय, विभिन्न काव्यधाराएँ (निर्गुण, सगुण, संप्रदाय निरपेक्ष, नीति साहित्य) तथा उनकी विशेषताएँ।

इकाई– IV उत्तर मध्यकाल :

रीतिकाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, दरबारी संस्कृति और लक्षण ग्रंथों की परंपरा, रीतिकालीन साहित्य की विभिन्न धाराएँ (रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध और रीतिमुक्त), रीतिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियाँ।

पाठ्यक्रम की उपादेयता :

1. प्रस्तुत पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के पश्चात छात्र हिंदी साहित्येतिहास से परिचित होंगे।
2. साहित्येतिहास की लेखन परंपरा तथा पुनर्लेखन की समस्याओं से अवगत होंगे।
3. प्राचीन तथा मध्यकालीन काव्य का परिचय होगा।
4. मध्ययुगीन विभिन्न संप्रदायों का परिचय होगा।
5. मध्ययुगीन काव्य सौंदर्य से अवगत होंगे।

पाठ्यक्रम अंक विभाजन :

आंतरिक मूल्यांकन : 50

सत्रांत परीक्षा : 50

कुलअंक : 100

संदर्भ ग्रंथ :

1. हिंदी साहित्य का इतिहास – आ. रामचंद्र शुक्ल
2. हिंदी साहित्य की भूमिका – आ. हजारीप्रसाद द्विवेदी
3. हिंदी साहित्य का आदिकाल – आ. हजारीप्रसाद द्विवेदी
4. हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास – डॉ. गणपतिचंद्र गुप्त
5. हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास – डॉ. रामकुमार वर्मा
6. हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी
7. हिंदी साहित्य का इतिहास – डॉ. नगेंद्र
8. हिंदी साहित्य का अतीत – विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
9. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास – बच्चन सिंह
10. हिंदी साहित्य का इतिहास – डॉ. माधव सोनटक्के
11. हिंदी साहित्य का आधा इतिहास – सुमन राजे

***

एम. ए. हिंदी (साहित्य) प्रथम वर्ष
प्रथम अयन
Level : 6.0

HS-2 भाषा तथा भाषा विज्ञान **श्रेयांक–4**

पाठ्यक्रम के उद्देश्य :

1. भाषा विज्ञान के स्वरूप, व्याप्ति और अध्ययन की दिशाओं का परिचय देना।
2. भाषा विज्ञान के सैद्धांतिक अनुप्रयोगात्मक पक्ष से अवगत कराना।
3. साहित्य–अध्ययन में भाषा विज्ञान की उपयोगिता से परिचित कराना।
4. भाषा विज्ञान की अवधारणा से अवगत कराना।
5. भाषा विज्ञान की विविध इकाइयों से परिचित कराना।

अध्यापन पद्धति :

● व्याख्यान पद्धति ● विश्लेषण पद्धति ● समूह चर्चा

पाठ्यक्रम :

इकाई– I भाषा विज्ञान : परिभाषा, स्वरूप और व्याप्ति, भाषा विज्ञान के अध्ययन की दिशाएँ

भाषा विज्ञान के भेद– वर्णनात्मक, ऐतिहासिक, तुलनात्मक और अनुप्रयुक्त।

समाजभाषा विज्ञान का सामान्य परिचय।

इकाई– II स्वनिम विज्ञान : स्वन की परिभाषा, वागावयव और कार्य, स्वन वर्गीकरण, स्वनगुण, स्वनिम परिवर्तन, स्वनिम की परिभाषा, स्वरूप और विश्लेषण।

इकाई–III रूपिम विज्ञान : रूप प्रक्रिया का स्वरूप और शाखाएँ, रूपिम की परिभाषा, रूपिम के भेद और प्रकार्य।

पदबंध और उपवाक्य : पदबंध का स्वरूप, पदबंध के भेद, उपवाक्य का स्वरूप, उपवाक्य के भेद।

इकाई– IV वाक्य विज्ञान : वाक्य की परिभाषा और स्वरूप, वाक्य के भेद, वाक्य विश्लेषण।

अर्थ विज्ञान : अर्थ की परिभाषा और स्वरूप, शब्द और अर्थ का संबंध, अर्थ परिवर्तन की दिशाएँ और कारण।

साहित्य के अध्ययन में भाषा विज्ञान के अंगों की उपयोगिता

पाठ्यक्रम की उपादेयता :

1. प्रस्तुत पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के पश्चात छात्र भाषा विज्ञान की अवधारणा से अवगत होंगे।
2. भाषा विज्ञान के स्वरूप एवं व्याप्ति का परिचय होगा।
3. भाषा विज्ञान के अध्ययन की पद्धतियों से अवगत होंगे।
4. छात्र वागावयव तथा उसके कार्य से परिचित होंगे।
5. भाषा विज्ञान की अवधारणा तथा प्रमुख भाषावैज्ञानिकों के सिद्धांतों का परिचय प्राप्त करेंगे।

पाठ्यक्रम अंक विभाजन :

आंतरिक मूल्यांकन : 50

सत्रांत परीक्षा : 50

कुल अंक : 100

संदर्भ ग्रंथ :

1. भाषा और समाज – रामविलास शर्मा
2. सांस्कृतिक भाषा विज्ञान – डॉ. रामानंद तिवारी
3. भाषा विज्ञान – सं. डॉ. राजमल बोरा
4. भाषा शास्त्र तथा हिंदी भाषा की रूपरेखा – डॉ. देवेंद्रकुमार शास्त्री
5. भाषा विज्ञान – भोलानाथ तिवारी
6. भाषा विज्ञान एवं भाषाशास्त्र – डॉ. कपिलदेव द्विवेदी
7. हिंदी भाषा संरचना – डॉ. भोलानाथ तिवारी
8. आधुनिक भाषाविज्ञान – डॉ. कृपाशंकर सिंह, डॉ. चतुर्भुज सहाय
9. भाषा विज्ञान के अधुनातन आयाम – डॉ. अंबादास देशमुख
10. भाषा विज्ञान : सैद्धांतिक चिंतन – रवींद्रनाथ श्रीवास्तव

एम. ए. हिंदी (साहित्य) प्रथम वर्ष
प्रथम अयन
Level : 6.0

HS-3 प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य **श्रेयांक–4**

पाठ्यक्रम के उद्देश्य :

1. हिंदी की प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य प्रवृत्तियों का परिचय देना।
2. प्राचीन काव्य प्रवृत्तियों की पृष्ठभूमि में कवि विशेष की रचनाओं का परिचय कराना।
3. मध्ययुगीन काव्यबोध के सौंदर्य से अवगत कराना।
4. तत्कालीन काव्य–भाषा की प्रवृत्तियों का परिचय देना।
5. पाठ्य–कृतियों के आधार पर काव्य–मूल्यांकन की क्षमता का विकास करना।

अध्यापन पद्धति :

- व्याख्यान पद्धति
- विश्लेषण पद्धति
- समूह चर्चा

पाठ्यविषय :

इकाई – I प्राचीन काव्य : (पृथ्वीराज रासो, अमीर खुसरो)

पृथ्वीराज रासो– रेवा तट

अमीर खुसरो– पहेलियाँ : क्र. 43, 45, 46, 52, 53
मुकरियाँ : क्र. 03, 16, 20, 26, 38
(अमीर खुसरो– सं. भोलानाथ तिवारी)

काव्यगत सौंदर्य विश्लेषण, आलोचनात्मक मूल्यांकन

इकाई – II पूर्वमध्यकालीन काव्य– (कबीर, जायसी)

कबीर :

1) गुरू गोविंद दोऊ खडे काकै लागौं पाय।
2) मो कों कहाँ ढूँढे बन्दे, मैं तो तेरे पास में।
3) कस्तूरी कुंडल बसें मृग ढूँढे बन मांहि।
4) ऐसी बाणी बोलिए, मन का आपा खोई।

(कबीर ग्रंथावली– सं. श्याम सुंदरदास)

5) कबीर माया मोह की, भई अंधारी लोई।

जायसी :

पद्मावत् (नागमती वियोग वर्णन खंड) केवल पाँच पद

1. नागमती चितउर पथ हेरा
2. पिउ बियोग अस बाउर जीऊ
3. पाट महादेइ! हिये न हारू
4. चढा असाढ, गगन घन गाजा
5. सावन बरस मेह अति पानी

इकाई – III पूर्वमध्यकालीन काव्य :

रामचरित मानस : तुलसीदास (उत्तरकांड) केवल पाँच दोहा/छंद

रामचरित मानस (उत्तरकांड) केवल पाँच दोहा/छंद

1. रहा एक दिन अवधि कर...(दोहा)
2. राम बिरह सागर महँ... (दोहा–क,ख)
3. हरषित गुर परिजन अनुज... (दोहा–क,ख,ग)
4. आवत देखि लोग सब...(दोहा–क,ख)
5. राजीव लोचन स्त्रवत जल... (छंद 1,2)

} रामचरित मानस तुलसीदास

मीराबाई :

1) राग हमीर : हरि मोरे जीवन प्राण अधार
2) राग धानी : पद मैं गिरधर रंग रीत, सैयाँ मैं
3) राग हमीर : कोई कछू कहे मन लागा
4) राग सोहनी : मैं जाण्यो नाही प्रभु को मिलण कैसे होइरी
5) राग खम्याच : मीराँ मगन भई हरि के गुण गाय

} मीराबाई की पदावली परशुराम चतुर्वेदी

इकाई – IV उत्तर मध्यकालीन काव्य (घनानंद)

घनानंद :

1. प्रीत्तम सुजान मेरे हित के निधान कहौ
2. आँखें जैन देखें तो कहा हैं कछु देखति ने
3. चातिक चुहल चहन्‍ँ ओर चाहै स्वाति ही कों
4. दसन बसन ओलो भरियै रहे गुलाल
5. अति सूधो सनेह को मारग है जहाँ नेकु सयापन बाँक नहीं।

} घनानंद–कवित्त–सं. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र

पाठ्यक्रम की उपादेयता :

1. प्रस्तुत पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के पश्चात छात्र प्राचीन एवं मध्ययुगीन काव्य प्रवृत्तियों से परिचित होंगे।
2. छात्रों को प्राचीन एवं मध्ययुगीन काव्य रचनाओं का आकलन होगा।
3. छात्र मध्ययुगीन काव्यबोध, काव्य सौंदर्य, भाषा आदि से परिचित होंगे।
4. प्राचीन एवं मध्ययुगीन काव्यशैली तथा आशय का आकलन होगा।
5. प्राचीन एवं मध्ययुगीन कवियों के साहित्यिक योगदान से अवगत होंगे।

पाठ्यक्रम अंक विभाजन :

आंतरिक मूल्यांकनः 50

सत्रांत परीक्षा : 50

कुलअंक : 100

संदर्भ ग्रंथ :

1. संदेश रासक – सं. हजारीप्रसाद द्विवेदी, विश्वनाथ त्रिपाठी
2. कबीर – हजारीप्रसाद द्विवेदी
3. जायसी ग्रंथावली – सं. रामचंद्र शुक्ल
4. संक्षिप्त सूरसारगर – सं. डॉ. प्रेमनारायण टंडन
5. मीराबाई की पदावली – सं. परशुराम चतुर्वेदी
6. महाकवि भूषण – भगीरथ प्रसाद दीक्षित
7. घनानंद कवित्त – सं. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
8. अमीर खुसरो और उनका हिंदी साहित्य – डॉ. भोलानाथ तिवारी
9. पृथ्वीराज रासो – डॉ. नामवर सिंह
10. साहित्य और मानवीय संवेदना – डॉ. सदानंद भोसले

***

एम. ए. हिंदी (साहित्य) प्रथम वर्ष
प्रथम अयन
Level : 6.0

H-4 विशेष रचनाकार : शिवमूर्ति **श्रेयांक–2**

पाठ्यक्रम के उद्देश्य :

1. सर्वहारा वर्ग के जीवन यथार्थ से परिचित कराना ।
2. किसानों के सामाजिक एवं सास्कृतिक परिवेश से अवगत कराना।
3. स्वतंत्रतापूर्व व स्वातंत्र्योत्तर किसानों के संघर्ष और चुनौतियों पर विचार–विमर्श कराना ।
4. किसानों के आर्थिक एवं धार्मिक स्थिति से अवगत कराना।
5. 'आखिरी छलाँग' उपन्यास का भावगत तथा शिल्पगत आकलन कराना।

अध्यापन पद्धति :

● व्याख्यान पद्धति ● विश्लेषण पद्धति ● समूह चर्चा

पाठ्यविषय :

इकाई –I भूमंडलीकरण और भारतीय किसान जीवन :

1. किसान केंद्रित उपन्यास रचना–प्रक्रिया और उद्देश्य
2. इक्कीसवीं सदी की कृषि नीतियाँ, समस्याएँ और किसान आंदोलन
3. सरकारी एवं गैर–सरकारी नीतियाँ और किसान प्रश्न
4. प्राकृतिक आपदा और भारतीय किसान

इकाई – II उपन्यास :

I. शिवमूर्ति का व्यक्तित्व एवं कृतित्व

1. जीवन परिचय एवं व्यक्तित्व की विशेषताएँ
2. सर्वहारा वर्ग के प्रश्न और शिवमूर्ति
3. लेखकीय प्रतिबद्धता और शिवमूर्ति

II. शिवमूर्ति का उपन्यास 'आखिरी छलाँग'

1. किसान एवं खेतिहर मज़दूरों के जीवन का यथार्थ
2. भारतीय समाज एवं ग्राम्य चेतना
3. अशिक्षा, गरीबी, भुखमरी अंधविश्वास और किसानों की आत्महत्या
4. जमींदारी प्रथा, ऋणग्रस्तता और किसान शोषण
5. सत्ता, समाज और न्याय व्यवस्था का किसान के प्रति दृष्टिकोण

पाठ्यक्रम की उपादेयता :

1. वर्तमान ग्रामीण परिवेश के कथाकार के रूप में शिवमूर्ति जी का जीवन तथा साहित्यिक परिचय छात्र प्राप्त करेंगे।
2. शिवमूर्ति के साहित्य में अभिव्यक्त सामाजिक–सांस्कृतिक परिवेश का आकलन होगा।
3. शिवमूर्ति का उपन्यास 'आखिरी छलाँग' का समाजशास्त्रीय आकलन छात्र करेंगे।
4. उपन्यास में अभिव्यक्त विभिन्न ग्रामीण समस्याओं से परिचित होंगे।
5. किसान एवं खेतिहर समाज व्यवस्था के विभिन्न पहलुओं से अवगत होंगे।

पाठ्यक्रम अंक विभाजन :

आंतरिक मूल्यांकन	: 25
सत्रांत परीक्षा	: 25
कुलअंक	: 50

संदर्भ ग्रंथ

1. मेरे साक्षात्कार – शिवमूर्ति
2. सृजन का रसायन – शिवमूर्ति
3. भारतीय ग्राम : संस्थानिक परिवर्तन और आर्थिक विकास पूरणचंद्र जोशी
4. हिंदी उपन्यासों में सामंतवाद–कमला गुप्ता
5. हिंदी उपन्यास और यथार्थवाद–त्रिभुवन सिंह
6. उत्तरशती के उपन्यासों में नगरेत्तर जीवन – डॉ. ईश्वर पवार

7. **स्वातंत्र्योत्तर हिंदी उपन्यास साहित्य की समाजशास्त्रीय पृष्ठभूमि – डॉ. स्वर्णलता**

8. **अवध का किसान विद्रोह–सुभाष चंद्र कुशवाह**

9. **किसान आत्महत्या : यथार्थ और विकल्प–संजय नवले (संपा)**

10. **हिंदी साहित्य में किसान सपने, संघर्ष, चुनौतियाँ और 21 वीं सदी–राम किंकर पांडेय**

****

एम. ए. हिंदी (साहित्य) प्रथम वर्ष
प्रथम अयन
Level : 6.0

HS-5 हिंदी नाटक और रंगमंच (वैकल्पिक) **श्रेयांक–4**

पाठ्यक्रम के उद्देश्य :

1. नाटक के स्वरूप एवं संरचना से परिचय कराना।
2. नाटक के रचनाविधान और रंगमंच से परिचय कराना।
3. हिंदी नाटक और रंगमंच के विकास से परिचित कराना।
4. नाट्यास्वादन और मूल्यांकन की दृष्टि से अवगत कराना।
5. नाट्यकला से अवगत कराना।

अध्यापन पद्धति :

- व्याख्यान पद्धति
- विश्लेषण पद्धति
- क्षेत्रीय कार्य

पाठ्यविषय :

इकाई– I नाटक : परंपरा और विकास, नाटक और रंगमंच, परिभाषा, स्वरूप एवं संरचना नाटक की भारतीय परंपरा, नाटक की पाश्चात्य परंपरा, पारसी थिएटर।

इकाई– II हिंदी रंगमंच :

हिंदी रंगमंच का विकासक्रम, हिंदी रंगमंच के विकास में अनूदित नाटकों की भूमिका, रंगमंच की विभिन्न शैलियाँ, रंगभाषा, महाराष्ट्र की नाट्य परंपरा।

इकाई–III निर्धारित नाटक :

भारत–दुर्दशा–भारतेंदु हरिश्चंद्र

कथ्यगत अध्ययन, रंगमंचीय अध्ययन, तात्विक मूल्यांकन, समीक्षात्मक अध्ययन

इकाई– IV निर्धारित नाटक :

आषाढ़ का एक दिन– मोहन राकेश

कथ्यगत अध्ययन, रंगमंचीय अध्ययन, तात्विक मूल्यांकन, समीक्षात्मक अध्ययन

पाठ्यक्रम की उपादेयता :

1. प्रस्तुत पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के पश्चात छात्र नाट्यकला से परिचित होंगे।
2. हिंदी नाटक की परंपरा का परिचय होगा।
3. छात्र रंगमंच, अभिनय, निर्देशन, नाट्य लेखन कौशल को अवगत करेंगे।
4. नाटक और सिनेमा के अंतर को समझ पाएंगे।
5. नाट्य आस्वादन की दृष्टि को विकसित करेंगे।

पाठ्यक्रम अंक विभाजन :

आंतरिक मूल्यांकन : 50

सत्रांत परीक्षा : 50

कुलअंक : 100

संदर्भ ग्रंथ :

1. नाटक और रंगमंच – सं. गिरिश रस्तोगी
2. रंग दर्शन – नेमिचंद्र जैन
3. हिंदी नाटक : उद्भव और विकास – दशरथ ओझा
4. हिंदी नाटक – बच्चन सिंह
5. रंगभाषा – नेमिचंद जैन
6. पारसी थियेटर उद्भव और विकास – सोमनाथ गुप्त
7. रंगमंच का सौंदर्यशास्त्र – देवेंद्रराज अंकुर
8. बीसवीं शताब्दी का रंगकर्म – डॉ. लवकुमार
9. नाट्यालोचन – डॉ. माधव सोनटक्के
10. हिंदी नाट्य विमर्श – सं. प्रो. सदानंद भोसले

***

एम. ए. हिंदी (साहित्य) प्रथम वर्ष
प्रथम अयन
Level : 6.0

HS-6 विज्ञापन लेखन और हिंदी (वैकल्पिक) श्रेयांक–4

पाठ्यक्रम के उद्देश्य :

1. विज्ञापन के स्वरूप और महत्त्व का परिचय देना।
2. विज्ञापन के भाषिक पक्ष से अवगत कराना।
3. विज्ञापन–लेखन प्रविधि से परिचित कराना।
4. विज्ञापन संपादन, निर्देशन कला से अवगत कराना।
5. विज्ञापनों में हिंदी की भूमिका से परिचित कराना।

अध्यापन पद्धति :

- व्याख्यान पद्धति
- विश्लेषण पद्धति
- समूह चर्चा

पाठ्यविषय :

इकाई– I विज्ञापन : संकल्पना, स्वरूप एवं महत्त्व, विज्ञापन का उद्‌भव एवं विकास
विज्ञापन के विविध प्रकार, विज्ञापन और भाषा का अंत:संबंध,
विज्ञापन और मनोविज्ञान

इकाई– II मुद्रित और इलैक्ट्रॉनिक माध्यमों में विज्ञापनों का स्वरूप, विज्ञापन के भेद
विज्ञापन और व्यवसाय, विज्ञापन और उपभोक्ता

इकाई– III विज्ञापन का भाषिक पक्ष और उपभोक्तावाद
विज्ञापन का श्रोता पाठक और प्रेक्षक पर प्रभाव
विज्ञापन लेखन : भाषा–शिल्प एवं प्रविधि।

इकाई– IV विज्ञापन लेखन की प्रक्रिया, संपादन, निर्देशन एवं प्रस्तुति, विज्ञापन ले–आऊट,
विज्ञापन कॉपी, विज्ञापन की विभिन्न एजसियां।
विज्ञापन कानून एवं आचार–संहिता।

पाठ्यक्रम की उपादेयता :

1. प्रस्तुत पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के पश्चात छात्र विज्ञापन की संकल्पना एवं उसके महत्त्व से अवगत होंगे।
2. विज्ञापन के आरंभ और विकास का परिचय होगा।
3. विज्ञापन के प्रकारों से अवगत होंगे।
4. व्यवसाय वृद्धि में विज्ञापन के योगदान को समझेंगे।
5. विज्ञापन लेखन प्रक्रिया तथा विज्ञापन और भाषा के अंत:संबंध से परिचित होंगे।

पाठ्यक्रम अंक विभाजन :

आंतरिक मूल्यांकन : 50

सत्रांत परीक्षा : 50

कुलअंक : 100

संदर्भ ग्रंथ :

1. मीडिया लेखन : सिद्धांत और व्यवहार – डॉ. चंद्रप्रकाश
2. मीडिया लेखन – सं. रमेश त्रिपाठी, अग्रवाल
3. प्रयोजनमूलक हिंदी – डॉ. माधव सोनटक्के
4. जनसंपर्क, प्रचार एवं विज्ञापन – विजय कुलश्रेष्ठ
5. डिजिटल युग में विज्ञापन – सुधा सिंह, जगदीश्वर चतुर्वेदी
6. विज्ञापन की दुनिया – कुमुद शर्मा
7. विज्ञापन भाषा – रेखा सेठी
8. विज्ञापन–विज्ञान और उसका प्रयोग – कन्हैयालाल शर्मा
9. हिंदी विज्ञापनों का पहला दौर – आशुतोष पार्थेश्वर
10. विज्ञापन बाज़ार और हिंदी – कैलाशनाथ पाण्डेय
11. विज्ञापन तकनीक एवं सिद्धांत – नरेंद्रसिंह यादव
12. विक्रय एवं विज्ञापन– डॉ. एस. सी. जैन, डॉ. नीरजकुमार सिंह

***

एम. ए. हिंदी (साहित्य) प्रथम वर्ष
प्रथम अयन
Level : 6.0

HS-7 हिंदी गीत और ग़ज़ल (वैकल्पिक) **श्रेयांक–4**

पाठ्यक्रम के उद्देश्य :

1. छात्रों की गीत और ग़ज़ल की सर्जनात्मक क्षमता विकसित कराना।
2. गीत और ग़ज़ल के महत्त्व को समझाना।
3. गीत एवं ग़ज़ल की परंपरा से परिचित कराना।
4. गीत और ग़ज़ल में मौजूद प्रतिरोध के स्वरों से अवगत कराना।
5. हिंदी गीत और ग़ज़ल लेखन कौशल से अवगत कराना।

अध्यापन पद्धति :

● व्याख्यान पद्धति ● विश्लेषण पद्धति ● मंचीय प्रस्तुति

पाठ्यविषय :

इकाई – I

गीत एवं ग़ज़ल – अर्थ, आशय एवं अवधारणा
हिंदी गीत – गजल लेखन की परंपरा
गीत एवं ग़ज़ल की रचना प्रक्रिया और आलोचना
गीत एवं गजल की प्रमुख विशेषताएँ, समानता–असमानता

इकाई – II गीत

फ़ैज़ अहमद फ़ैज़ :

1. बोल कि लब आज़ाद हैं तेरे
2. मुझसे पहली सी मोहब्बत मेरे महबूब न माँग

गुलज़ार :

1. तुझसे नाराज़ नहीं जिंदगी
2. आनेवाला पल जानेवाला है

साहिर लुधियानवी :

1. जिन्हें नाज़ है हिंद पर
2. जुर्म ए उल्फ़त पे हमें लोग सज़ा देते हैं

इकाई– III ग़ज़ल **दुष्यंत कुमार :**

1. वो आदमी नहीं है मुकम्मल बयान है
2. कैसे मंज़र सामने आने लगे हैं

नीरज :

1. अब तो मज़हब कोई ऐसा चलाया जाए
2. जबतलक ज़िंदा कलम है हम तुम्हें मरने न देंगे

आदम गोंडवीं :

1. तुम्हारी फाइलों में गाँव का मौसम गुलाबी है
2. एक पहेली – सी ये दुनिया, गल्प भी है, इतिहास भी है

इकाई– IV **अशोक चक्रधर :**

1. राष्ट्रीय भ्रष्टाचार महोत्सव
2. नेता जी लगे मुस्कराने
3. लाश में अटकी आत्मा

काका हाथरसी :

1. पत्रकार दादा बने, देखो उनके ठाठ
2. हिंदी की दुर्दशा
3. नाम बडे दर्शन छोटे

पाठ्यक्रम की उपादेयता :

1. प्रस्तुत पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के पश्चात छात्र हिंदी गीत और ग़ज़ल् के स्वरूप से परिचित होंगे।
2. हिंदी गीत और ग़ज़ल लेखन परंपरा से अवगत होंगे।
3. हिंदी के प्रमुख गीत और ग़ज़लकारों का जीवन तथा साहित्यिक परिचय प्राप्त करेंगे।
4. गीत और गज़ल के भाव सौंदर्य को आत्मसात करेंगे।
5. हिंदी कविता में गीत एवं गज़ल के महत्व से अवगत होंगे।

पाठ्यक्रम अंक विभाजन :

आंतरिक मूल्यांकन : 50

सत्रांत परीक्षा : 50

कुल अंक : 100

संदर्भ ग्रंथ :

1. हिंदी ग़ज़ल गजलकारों की नज़र में – सरदार मुजावर
2. हिंदी ग़ज़ल का वर्तमान दशक–सरदार मुजावर
3. हिंदी ग़ज़ल दशा और दिशा–नरेश
4. हिंदी ग़ज़ल की विकास यात्रा– ज्ञान प्रकाश विवेक
5. हिंदी कवि–सम्मेलन और मंचीय कवियों का साहित्यिक योगदान– विशेषलक्ष्मी
6. समय का पहिया – गोरख पांडयेय
7. आज के प्रसिद्ध शायर बशीर बद्र – कन्हैयालाल नंदन
8. हिंदुस्तानी ग़ज़लें– सं. कमलेश्वर
9. हिंदी ग़ज़ल का आत्म संघर्ष– सुशील कुमार
10. श्रेष्ठ हिंदी गीत संचयन– कन्हैयालाल नंदन

***

एम. ए. हिंदी (साहित्य) प्रथम वर्ष
प्रथम अयन
Level : 6.0

HS-8 हिंदी साहित्य और भारतीय संस्कृति (वैकल्पिक) श्रेयांक–4

पाठ्यक्रम के उद्देश्य :

1. छात्रों को भारतीय संस्कृति का परिचय देना।
2. भारतीय संस्कृति की परंपरा की समझ विकसित करना।
3. संस्कृति, समाज और साहित्य के संबंधों को गहनता से समझना।
4. भारतीय दर्शन के विभिन्न विचारों का अध्ययन करना।
5. भारतीय संस्कृति के माध्यम से भारतीय ज्ञान परंपरा से अवगत कराना।

अध्यापन पद्धति :

● व्याख्यान पद्धति ● विश्लेषण पद्धति ● समूह चर्चा

पाठ्यविषय :

इकाई– I
भारतीय संस्कृति का संक्षिप्त परिचय
भारतीय संस्कृति का इतिहास
भारतीय संस्कृति का आर्थिक–सामाजिक–राजनैतिक विकास
प्राचीन भारतीय दर्शन का संक्षिप्त परिचय

इकाई– II
मध्यकाल में भारतीय संस्कृति
रामानुजाचार्य, बल्लभाचार्य, निंबार्काचार्य, मध्वाचार्य के दर्शन का साहित्य पर प्रभाव
भक्तिकाल व रीतिकाल के कवियों में प्रतिबिंबित भारतीय संस्कृति की छवि, तुलसी, सूर, जायसी आदि कवियों पर समाज का व उनकी रचनाओं का समाज पर प्रभाव

इकाई–III
आधुनिककाल में भारतीय संस्कृति
भूमंडलीकरण व भारतीय संस्कृति
संस्कृति और साहित्य में परस्पर संबंध
विभिन्न आधुनिक विचारधाराएँ

इकाई– IV समकालीन साहित्य में प्रतिबिंबित भारतीय संस्कृति

निबंध– अशोक के फूल (हजारीप्रसाद द्विवेदी), गूलर के फूल (कुबेरनाथ राय)

कविता– भारत भारती (अतीत खंड) मैथिलीशरण गुप्त

कहानी– हार की जीत (सुदर्शन), पिता (ज्ञानरंजन)

पाठ्यक्रम की उपादेयता :

1. छात्र भारतीय संस्कृति के विभिन्न पहलुओं को समझेंगे।
2. साहित्य और संस्कृति के अंत:संबंधों से अवगत होंगे।
3. भारतीय संस्कृति को प्रभावित करनेवाले दर्शन को आत्मसात करेंगे।
4. विभिन्न कवि/विचारकों की रचनाओं और विचारधाराओं का विश्लेषण करने में सक्षम होंगे।
5. प्राचीन भारतीय संस्कृति और सामाजिक एकता के भाव विकसित होंगे।

पाठ्यक्रम अंक विभाजन :

आंतरिक मूल्यांकन : 50

सत्रांत परीक्षा : 50

कुलअंक : 100

संदर्भ ग्रंथ :

1. संस्कृति के चार अध्याय –रामधारी सिंह 'दिनकर'
2. साहित्य, संस्कृति और भाषा – ऋषभदेव शर्मा
3. साहित्य और संस्कृति – रामविलास शर्मा
4. जायसी – विजयदेव नारायण साही
5. हिन्दी साहित्य का इतिहास –आचार्य रामचंद्र शुक्ल
6. भारतीय दर्शन – डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन
7. भारतीय संस्कृति – साने गुरुजी
8. भारतीय संस्कृति – सं. दामोदर मिश्र
9. भारतीय संस्कृति का इतिहास – डॉ. सुशीला सिंह
10. भारतीय संस्कृति का समग्र इतिहास – श्री वज्रवल्लभ द्विवेदी

एम. ए. हिंदी (साहित्य) प्रथम वर्ष
प्रथम अयन
Level : 6.0

HS-9 शोध–प्रविधि : सिद्धांत और स्वरूप श्रेयांक–4

पाठ्यक्रम के उद्देश्य :

1. छात्रों को शोध–प्रविधि से अवगत कराना।
2. छात्रों की शोध दृष्टि विकसित कराना।
3. छात्रों को शोध प्रक्रिया और शोध प्रबंध से अवगत कराना।
4. शोध प्रबंध लेखन कौशल विकसित कराना।
5. शोध का महत्त्व तथा उपयोगिता प्रतिपादित करना।

अध्यापन पद्धति :

- व्याख्यान पद्धति
- विश्लेषण पद्धति
- समूह चर्चा

पाठ्यविषय :

इकाई– I

शोध की अवधारणा, स्वरूप, परिभाषाएँ तथा शोध के लिए प्रयक्त विभिन्न शब्द एवं उनका औचित्य।

शोध के उद्देश्य, शोध के लिए विषय चयन की प्रक्रिया।

शोध विषय निश्चिति तथा शोध का प्रारूप निर्माण।

वस्तुनिष्ठ, तर्कसंगति, प्रमाणबद्धता

इकाई– II

शोध के प्रकार वर्णनात्मक, ऐतिहासिक, तुलनात्मक, सर्वेक्षणात्मक, अंतर्विद्याशाखीय

साहित्यिक तथा साहित्येतर शोध में समानता–असमानता शोध प्रक्रिया के विभिन्न चरण।

इकाई–III

शोध के लिए सामग्री संकलन स्रोत, शोध और आलोचना, शोधकर्ता एवं शोध निर्देशक में समन्वय, शोधकार्य और समय प्रबंधन, संपन्न शोध–कार्य की शैक्षिक–सामाजिक उपादेयता।

इकाई– IV शोध–प्रबंध लेखन प्रणाली :

शोध प्रबंध, शीर्षक निर्धारण, रूपरेखा, भूमिका लेखन, अध्याय विभाजन, संदर्भ उल्लेख, सहायक ग्रंथ सूची, परिशिष्ट, वर्तनी सुधार।

शोधालेख लेखन, पुस्तक समीक्षा आदि।

पाठ्यक्रम की उपादेयता :

1. प्रस्तुत पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के पश्चात छात्र शोध का महत्त्व एवं उपयोगिता से अवगत होंगे।
2. छात्रों को शोध–प्रक्रिया का आकलन होगा।
3. शोध की भिन्न पद्धतियों से परिचित होंगे।
4. शोध की सामाजिक, शैक्षिक उपयोगिता को आत्मसात करेंगे।
5. प्रबंध लेखन कौशल को आत्मसात करेंगे।

पाठ्यक्रम अंक विभाजन

आंतरिक मूल्यांकन : 50

सत्रांत परीक्षा : 50

कुलअंक : 100

संदर्भ ग्रंथ :

1. शोधतंत्र और सिद्धांत – शैलकुमारी
2. शोध प्रविधि – डॉ. विनयमोहन शर्मा
3. अनुसंधान की प्रक्रिया – डॉ. सावित्री सिन्हा, डॉ. विजयेंद्र स्नातक
4. अनुसंधान प्रविधि – सुरेशचंद्र निर्मल
5. अनुसंधान के तत्व – विश्वनाथप्रसाद मिश्र
6. शोधतंत्र और सिद्धांत – शैलकुमारी
7. अनुसंधान और आलोचना – डॉ. नगेंद्र
8. अनुसंधान का स्वरूप – सं. डॉ. सावित्री सिन्हा
9. अनुसंधान प्रविधि : सिद्धांत और प्रयोग – कपिल मिश्र
10. अनुसंधान की प्रविधि एवं प्रक्रिया – डॉ. राजेंद्र मिश्र

***

एम. ए. हिंदी (साहित्य) प्रथम वर्ष
द्वितीय अयन
Level : 6.0

HS-10 हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल) श्रेयांक–4

पाठ्यक्रम के उद्देश्य :

1. हिंदी गद्य के अविर्भाव के प्रमुख कारणों एवं परिस्थितियों का परिचय देना।
2. आधुनिक गद्य की विषयवस्तु, भाषाशैली आदि प्रवृत्तियों से परिचित कराना।
3. आधुनिक हिंदी गद्य के प्रमुख गद्यकारों तथा गद्य विधाओं के विकासक्रम से अवगत कराना।
4. आधुनिक हिंदी कविता के प्रमुख चरणों की प्रवृत्तियों तथा उपलब्धियों से परिचित कराना।
5. आधुनिक गद्य साहित्य की प्रमुख विधाएँ–उपन्यास, कहानी, नाटक, निबंध आदि से अवगत कराना।

अध्यापन पद्धति :

● व्याख्यान पद्धति ● विश्लेषण पद्धति ● समूह चर्चा

पाठ्यविषय :

इकाई– I हिंदी गद्य के आविर्भाव के लिए प्रेरक परिस्थितियाँ : सन् 1857 की राज्यक्रांति और सांस्कृतिक पुनर्जागरण, भारतेंदुपूर्व काल के हिंदी गद्य का सामान्य परिचय, प्रमुख गद्यकार, फोर्ट विलियम कॉलेज, ईसाई मिशनरी, आर्य समाज, ब्राम्हो समाज आदि का योगदान, भारतेंदु युगीन गद्य का सामान्य परिचय, द्विवेदी युगीन साहित्य का सामान्य परिचय।

इकाई– II हिंदी उपन्यास साहित्य का विकास : प्रेमचंद पूर्व युग, प्रेमचंद युग, प्रेमचंदोत्तर युग, स्वातंत्र्योत्तर उपन्यास साहित्य। संबंधित युग के उपन्यास साहित्य की कथ्यगत एवं शिल्पगत प्रवृत्तियों का सामान्य परिचय।

हिंदी कहानी साहित्य का विकास : प्रेमचंद पूर्व युग, प्रेमचंद युग, प्रेमचंदोत्तर युग, स्वातंत्र्योत्तर कहानी साहित्य। संबंधित युग के कहानी साहित्य का कथ्यगत एवं शिल्पगत प्रवृत्तियों का सामान्य परिचय।

इकाई– III हिंदी नाटक और रंगमंच का उद्‌भव और विकास : भारतेंदु पूर्व युग, भारतेंदु युग, प्रसाद युग, प्रसादोत्तर युग, स्वातंत्र्योत्तर नाटक साहित्य : सामान्य परिचय, हिंदी निबंध का उद्‌भव और विकास : भारतेंदु युग, आचार्य रामचंद्र शुक्ल युग, शुक्लोत्तर युग, स्वातंत्र्योत्तर निबंध साहित्य : प्रमुख प्रवृत्तियों का परिचय। हिंदी का अन्य गद्य विधाएँ : एकांकी, संस्मरण, रेखाचित्र, यात्रासाहित्य, आत्मकथा, जीवनी, रिपोर्ताज सामान्य परिचय।

इकाई– IV आधुनिक हिंदी काव्य का विकास : भारतेंदु युगीन कविता का सामान्य प्रवृत्तिया, प्रमुख कवि परिचय।

द्विवेदी युगीन कविता की सामान्य प्रवृत्तियाँ : प्रमुख कवि परिचय, राष्ट्रीय काव्यधारा की प्रमुख प्रवृत्तियाँ एवं कवि परिचय, छायावादी कविता की सामान्य प्रवृत्तियाँ एवं प्रमुख कवि, छायावादोत्तर कविता के प्रमुख आंदोलन।

पाठ्यक्रम की उपादेयता :

1. प्रस्तुत पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के पश्चात छात्रों को आधुनिक हिंदी गद्य साहित्य के आविर्भाव का ज्ञान होगा।
2. आधुनिक हिंदी गद्य का स्वरूप एवं प्रवृत्तियों का परिचय होगा।
3. आधुनिक हिंदी गद्य के प्रमुख रचनाकारों की लेखन शैलियों से छात्र अवगत होंगे।
4. आधुनिक हिंदी कविता के विभिन्न आंदोलनों और प्रवृत्तियों से छात्र परिचित होंगे।
5. आधुनिक हिंदी कथेत्तर गद्य विधाओं का आकलन होगा।

पाठ्यक्रम अंक विभाजन :

आंतरिक मूल्यांकन	: 50
सत्रांत परीक्षा	: 50
कुलअंक	: 100

संदर्भ ग्रंथ :

1. हिंदी साहित्य का इतिहास – आ. रामचंद्र शुक्ल
2. हिंदी साहित्य का इतिहास – सं. डॉ. नगेंद्र
3. हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास – डॉ. गणपतिचंद्र गुप्त
4. हिंदी गद्य साहित्य का इतिहास – रामचंद्र तिवारी
5. हिंदी साहित्य का इतिहास – डॉ. राममूर्ति त्रिपाठी
6. हिंदी साहित्य का इतिहास – डॉ. लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय
7. हिंदी साहित्य का इतिहास – डॉ. श्यामचंद्र कपूर
8. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास – डॉ. बच्चन सिंह
9. हिंदी साहित्य और उसकी प्रवृत्तियाँ – डॉ. गोविंदराम शर्मा
10. हिंदी साहित्य की प्रवृत्तियाँ – डॉ. जयकिशनप्रसाद खंडेलवाल

***

एम. ए. हिंदी (साहित्य) प्रथम वर्ष
द्वितीय अयन
Level : 6.0

HS-11 शैली विज्ञान श्रेयांक–4

पाठ्यक्रम के उद्देश्य :

1. प्रस्तुत पाठ्यक्रम के माध्यम से छात्रों को शैली के स्वरूप का परिचय देना।
2. शैली विज्ञान के स्वरूप से अवगत कराना।
3. शैलीविज्ञान के इतिहास से परिचित कराना।
4. शैली विज्ञान के अनुप्रयोग का परिचय देना।
5. साहित्य और शैली के अंत:संबंध से अवगत कराना।

अध्यापन पद्धति :

● व्याख्यान पद्धति ● विश्लेषण पद्धति ● समूह चर्चा

पाठ्यविषय :

इकाई– I शैली का स्वरूप : शैली की प्रकृति, शैली की परिभाषा, भाषा पक्ष में शैली, साहित्य पक्ष में शैली, शैली के उपकरण, शैलीगत उपकरणों का व्यक्तित्व, शैलीगत उपकरणों का अभिज्ञान

इकाई– II शैली विज्ञान का स्वरूप, शैलीविज्ञान के विभिन्न रूप, शैली विज्ञान का लक्ष्य, शैली विज्ञान तथा अन्य विज्ञान: शैली विज्ञान और भाषा विज्ञान, शैली विज्ञान और मनोविज्ञान, शैलीविज्ञान और समाजशास्त्र, शैलीविज्ञान–विज्ञान या कला।

इकाई– III शैली विज्ञान का इतिहास : संस्कृत शैली विज्ञान, पाश्चात्य शैलीविज्ञान, शैलीविज्ञान के अध्ययन की आधुनिक परंपरा, आंग्ल–अमरीकी शैलीविज्ञान, रूसी चेक शैलीविज्ञान, आधुनिक शैलीविज्ञान की प्रमुख प्रवृत्तियाँ, आधुनिक शैली विज्ञान की शाखाएँ।

इकाई– IV शैली विज्ञान का अनुप्रयोग : शैली विज्ञान अनुप्रयोग के विविध क्षेत्र, अंतर्लक्षी एवं बहिर्लक्षी अनुप्रयोग, कोश निर्माण और शैली विज्ञान, अनुवाद और शैलीविज्ञान, साहित्यिक अनुवाद और शैलीविज्ञान, भाषा और साहित्य के अंतर्गत शैली शिक्षण।

पाठ्यक्रम की उपादेयता :

1. प्रस्तुत पाठ्क्रम का अध्ययन करने के पश्चात छात्र शैली की अवधारणा से अवगत होंगे।
2. शैली विज्ञान का स्वरूप तथा उसके उपकरणों से परिचित होंगे।
3. शैली विज्ञान का अन्य क्षेत्रों के साथ के संबंधों से अवगत होंगे।
4. शैली विज्ञान की परंपरा का परिचय होगा।
5. साहित्य में शैली का प्रयोग तथा महत्व से अवगत होंगे।

पाठ्यक्रम अंक विभाजन :

आंतरिक मूल्यांकन	: 50
सत्रांत परीक्षा	: 50
कुलअंक	: 100

संदर्भ ग्रंथ :

1. शैली विज्ञान – डॉ. नगेंद्र
2. शैली विज्ञान – डॉ. सुरेश कुमार
3. शैली विज्ञान – प्रतिमान और विश्लेषण – डॉ. शशीभूषण शितांशु
4. रीतिविज्ञान – डॉ. विद्यानिवास मिश्र
5. शैली विज्ञान का इतिहास – डॉ. शशिभूषण 'शितांशु'
6. प्रोक्ति – शैली विज्ञान और फंतासी – डॉ. हरदीप कौर
7. संरचनात्मक शैली विज्ञान – डॉ. रविंद्रनाथ श्रीवास्तव
8. शैली और शैलीविज्ञान – डॉ. भगवान तिवारी
9. शैली और शैली विज्ञान – केंद्रिय हिंदी संस्थान, आगरा
10. शैली विज्ञान – भोलानाथ तिवारी

***

एम. ए. हिंदी (साहित्य) प्रथम वर्ष
द्वितीय अयन
Level : 6.0

HS-12 आधुनिक कथा साहित्य (उपन्यास, कहानी) श्रेयांक–4

पाठ्यक्रम के उद्देश्य :

1. आधुनिक हिंदी कथा साहित्य के स्वरूप एवं विशेषाताओं से परिचित कराना।
2. आधुनिक कथा साहित्य में उपन्यास तथा कहानी विधा से अवगत कराना।
3. छात्रों को आधुनिक कथा साहित्य की रचनाओं के माध्यम से समसामयिक समस्याओं से अवगत कराना।
4. सृजनात्मक लेखन कौशल के प्रति छात्रों में रूचि निर्माण कराना।
5. आधुनिक हिंदी उपन्यास तथा कहानी साहित्य के विभिन्न आंदोलनों से अवगत कराना।

अध्यापन पद्धति :

- व्याख्यान पद्धति
- विश्लेषण पद्धति
- समूह चर्चा

पाठ्यविषय :

इकाई– I हिंदी उपन्यास का उद्‌भव और विकास : प्रेमचंद पूर्व उपन्यास साहित्य, प्रेमचंद युगीन उपन्यास साहित्य, प्रेमचंदोत्तर उपन्यास साहित्य, आधुनिक उपन्यास साहित्य की मुख्य प्रवृत्तियाँ

इकाई– II उपन्यास विधा :

राग दरबारी– श्रीलाल शुक्ल

आलोचनात्मक अध्ययन

धरती धन न अपना– जगदीश चंद्र

आलोचनात्मक अध्ययन

इकाई– III हिंदी कहानी का उद्‌भव और विकास : प्रेमचंद पूर्व कहानी साहित्य, प्रेमचंद युगीन कहानी साहित्य, प्रेमचंदोत्तर कहानी साहित्य, आधुनिक कहानी की मुख्य प्रवृत्तियाँ

इकाई– IV कहानी विधा

1) पक्षी और दीमक – मुक्तिबोध
2) बाजार में रामधन– कैलाश बनवासी
3) पॉल गोमरा का स्कूटर– उदय प्रकाश
4) फैसला – मैत्रेयी पुष्पा
5) कहाँ जाओगे बाबा?– स्वयंप्रकाश
6) हाकिम सराय का आखिरी आदमी– सुभाषचंद्र कुशवाह

समग्र कहानियों का आलोचनात्मक अध्ययन

पाठ्यक्रम की उपादेयता :

1. प्रस्तुत पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के पश्चात छात्र आधुनिक हिंदी कथा साहित्य के स्वरूप और संदर्भ से परिचित होंगे।
2. आधुनिक हिंदी उपन्यास साहित्य से अवगत होंगे।
3. आधुनिक हिंदी कहानी साहित्य तथा कहानी लेखन आंदोलनों का परिचय प्राप्त करेंगे।
4. उपन्यास तथा कहानी साहित्य में अभिव्यक्त समकालीन समस्याओं से परिचित होंगे।
5. उपन्यास तथा कहानी लेखन के कौशल को आत्मसात करेंगे।

पाठ्यक्रम अंक विभाजन :

आंतरिक मूल्यांकन : 50

सत्रांत परीक्षा : 50

कुलअंक : 100

संदर्भ ग्रंथ :

1. हिंदी उपन्यास का इतिहास – गोपाल राय
2. हिंदी कहानी का इतिहास – गोपाल राय
3. कहानी की रचना प्रक्रिया – परमानंद श्रीवास्तव
4. नयी कहानी – संदर्भ और प्रकृति – देवीशंकर अवस्थी

5. हिंदी कहानी का विकास – मधुरेश
6. कहानी : नयी कहानी – नामवर सिंह
7. नयी कहानी की भूमिका – कमलेश्वर
8. हिंदी कहानी वाया आलोचना – सं. नीरज खरे
9. हिंदी कहानी के सौ साल तथा भूमंडलोत्तर कहानी – दिनेश कर्नाटक
10. नई कहानी आलोचना – उदम शंकर

***

एम. ए. हिंदी (साहित्य) प्रथम वर्ष
द्वितीय अयन
Level : 6.0

HS-13 विशेष रचनाकार– श्यौराज सिंह 'बेचैन' श्रेयांक–2

पाठ्यक्रम के उद्देश्य :

1. दलित साहित्य और आंदोलन की प्रमुख प्रवृत्तियों का परिचय कराना।
2. दलित समाज के अनकहे अनछुहे प्रसंगां से अवगत कराना।
3. श्यौराज सिंह 'बेचैन' के व्यक्तित्व की विशेषताओं से परिचित कराना।
4. श्यौराज सिंह 'बेचैन' के जीवन संघर्ष और लेखकीय दायित्वों से अवगत कराना।
5. दलित साहित्य की मुख्य प्रवृत्तियों से परिचित कराना।

अध्यापन पद्धति :

- व्याख्यान पद्धति
- विश्लेषण पद्धति
- समूह चर्चा

पाठ्यविषय :

इकाई– I **सामाजिक न्याय की अवधारणा और दलित आत्मकथा**

दलित आत्मकथा रचना–प्रक्रिया और उद्देश्य
दलित आत्मकथाओं में स्वानुभूति एवं सहानुभूति का प्रश्न
आत्मकथा लेखन की चुनौतियाँ और दलित प्रश्न

इकाई– II **आत्मकथा**

I. श्यौराज सिंह 'बेचैन' का व्यक्तित्व एवं कृतित्व

जीवन परिचय एवं व्यक्तित्व की विशेषताएं
सामाजिक सरोकार और श्यौराज सिंह 'बेचैन'
लेखकीय दायित्व और श्यौराज सिंह 'बेचैन'

II. श्यौराज सिंह 'बेचैन' की आत्मकथा 'मेरा बचपन मेरे कंधों पर' के कुछ अंश :

बेवक्त गुजर गया माली, कौम के ठेकेदार
जीवित बचा स्वराज, यहाँ एक मोची रहता था

पाठ्यक्रम की उपादेयता:

1. प्रस्तुत पाठ्यक्रम के माध्यम से छात्रों को दलित साहित्य की अवधारणा का परिचय होगा।
2. दलित साहित्य की मुख्य प्रवृत्तियों से अवगत होंगे।
3. दलित साहित्य के लेखन की सामाजिक पृष्ठभूमि का परिचय होगा।
4. दलित रचनाकार श्यौराजसिंह 'बेचैन' के जीवन तथा साहित्यिक का परिचय होगा।
5. दलित साहित्य की प्रमुख विशेषताओं का परिचय होगा।

पाठ्यक्रम अंक विभाजन :

आंतरिक मूल्यांकन	: 25
सत्रांत परीक्षा	: 25
कुलअंक	: 50

संदर्भ ग्रंथ :

1. मेरा बचपन मेरे कंधों पर श्यौराज सिंह 'बेचैन'
2. हाथ तो उग ही आते हैं– श्यौराज सिंह 'बेचैन'
3. भरोसे की बहन– श्यौराज सिंह 'बेचैन'
4. चमार की चाय– श्यौराज सिंह 'बेचैन'
5. नई फसल – श्यौराज सिंह 'बेचैन'
6. बालक श्यौराज : महा शिला खंडा का सग्राम – डॉ. धर्मवीर
7. दलित प्रश्न और श्यौराज सिंह का लेखन – कविता यादव
8. हिंदी दलित आत्मकथाओं में बचपन–राजेन्द्र बड़गूजर
9. दलित बचपन वेदना का विस्फोट– नितीन गायकवाड
10. उपन्यास साहित्य में दलित समस्या – श्यौराज सिंह 'बेचैन'

***

एम. ए. हिंदी (साहित्य) प्रथम वर्ष
द्वितीय अयन
Level : 6.0

HS-14 टेलीविजन पत्रकारिता (वैकल्पिक) श्रेयांक–4

पाठ्यक्रम के उद्देश्य :

1. टेलीविजन पत्रकारिता पाठ्यक्रम के द्वारा छात्रों को नव इलैक्ट्रॉनिक पत्रकारिता से परिचित कराना।
2. मुद्रित पत्रकारिता और टेलीविजन पत्रकारिता की प्रक्रिया से अवगत कराना।
3. टेलीविजन पत्रकारिता के लिए आवश्यक लेखन, प्रस्तुति एवं उपकरण कार्य संचालन से अवगत कराना।
4. टेलीविजन पत्रकार की योग्यता एवं आवश्यक भाषायी ज्ञान से अवगत कराना।
5. टेलीविजन पत्रकारिता का वर्तमान और भविष्य का स्वरूप आदि से परिचित कराना।

अध्यापन पद्धति :

- व्याख्यान पद्धति
- विश्लेषण पद्धति
- क्षेत्रीय कार्य

पाठ्यविषय :

इकाई– I टेलीविजन पत्रकारिता का उद्भव एवं विकास :
भारत में टेलीविजन पत्रकारिता का आरंभ, पत्रकारिता के विकास के विभिन्न चरण, टेलीविजन पत्रकारिता चैनल, आरंभिक टेलीविजन पत्रकारिता का स्वरूप, टेलीविजन पत्रकारिता का अन्य क्षेत्र पर प्रभाव, वर्तमान समय और टेलीविजन पत्रकारिता।

इकाई– II टेलीविजन पत्रकारिता की प्रक्रिया : टेलीविजन पत्रकारिता लेखन, संपादन एवं प्रस्तुति, पत्रकार के लिए आवश्यक योग्यताएँ, टेलीविजन पत्रकारिता प्रशिक्षण केंद्र, टेलीविजन पत्रकारिता और भाषा–प्रस्तुति, टेलीविजन पत्रकारिता के विविध पहलू

इकाई– III टेलीविजन समाचार का संगठनात्मक कार्य :
रिपोर्टर, नेशनल ब्यूरो, आऊट स्टेशन ब्यूरो, मुख्यालय ब्यूरो, विशेष ब्यूरो, एसआईटी, इनपुट प्रमुख, शोधकर्ता, एंकर्स, डेस्क, समाचार समन्वयक, समाचार संपादक, समाचार निर्माता आदि।

इकाई– IV टेलीविजन समाचार निर्माण आऊटपुटः न्यूज डेस्क, बुलेटिन प्रोडयूसर, पैकेज प्रोडयूसर, असिस्टंट प्रोडयूसर, टेलीविजन समाचार तकनीकी तंत्रः न्यूज रूम, आटोमेशन, वोडियो संपादन, स्टूडियो और पीसीआर, वीडियो मॉनीटर रूम, मास्टर नियंत्रण रूम आदि।

पाठ्यक्रम की उपादेयता :

1. प्रस्तुत पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के पश्चात छात्र टेलीविजन पत्रकारिता के उद्भव और विकास से परिचित होंगे।
2. टेलीविजन पत्रकारिता का स्वरूप एवं प्रक्रिया से अवगत होंगे।
3. टेलीविजन पत्रकारिता के संगठनात्मक कार्य से अवगत होंगे।
4. मुद्रित पत्रकारिता और टेलीविजन पत्रकारिता के अंतर को अनुभव करेंगे।
5. टेलीविजन समाचार की निर्माण प्रक्रिया से अवगत होंगे।

पाठ्यक्रम अंक विभाजन :

आंतरिक मूल्यांकन	: 50
सत्रांत परीक्षा	: 50
कुलअंक	: 100

संदर्भ ग्रंथ :

1. टेलीविजन पत्रकारिता सिद्धांत एवं तकनीक – डॉ. इंद्रजीत सिंह
2. इलैक्ट्रॉनिक मीडिया – आर्य पी. के.
3. इलैक्ट्रानिक मीडिया – संजीव भानावत
4. भारतीय इलैक्ट्रानिक मीडिया – देववृत सिंह
5. टेलीविजन समाचार – मुस्तफा जेरी
6. एंकर रिपोर्टर – पुण्यप्रसून वाजपेयी
7. नए जनसंचार माध्यम और हिंदी – सुधीश पचौरी
8. टेलीविजन की कहानी – श्याम कश्यप
9. टेलीविजन पत्रकारिता – राकेश कुमार
10. टेलीविजन पत्रकारिता – ओमप्रकाश चौधरी

***

एम. ए. हिंदी (साहित्य) प्रथम वर्ष
द्वितीय अयन
Level : 6.0

HS-15 प्रादेशिक साहित्य (मराठी) (वैकल्पिक) श्रेयांक–4

पाठ्यक्रम के उद्देश्य :

1. प्रस्तुत पाठ्यक्रम द्वारा छात्रों को प्रादेशिक साहित्य की अवधारणा से परिचित कराना।
2. प्रादेशिक साहित्य (मराठी) के स्वरूप एवं विकास से अवगत कराना।
3. मराठी भाषा की प्रमुख विधाओं से परिचित कराना।
4. मराठी के मुख्य कवि, लेखक तथा समीक्षकों का परिचय कराना।
5. प्रादेशिक साहित्य की मूल विशेषताओं से छात्रों को अवगत कराकर उनकी साहित्य के प्रति जिज्ञासा बढ़ाना।

अध्यापन पद्धति :

● व्याख्यान पद्धति ● विश्लेषण पद्धति ● समूह चर्चा

पाठ्यविषय :

इकाई– I मराठी भाषा का उद्भव और विकास, महाराष्ट्र शब्द की उत्पत्ति, यादव कालीन मराठी, बहमनीकालीन मराठी, शिवकालीन मराठी, पेशवेकालीन मराठी, ब्रिटिशकालीन मराठी, स्वातंत्र्योत्तर मराठी, मराठी का वर्तमान।

आधुनिक मराठी उपन्यास का परिचयात्मक अध्ययन, आधुनिक मराठी कहानी का परिचयात्मक अध्ययन

इकाई– II उपन्यास साहित्य :

1. फकिरा – अण्णाभाऊ साठे
2. जोगवा – राजन गवस

उपन्यासकार का जीवन परिचय, उपन्यास का आलोचनात्मक अध्ययन

इकाई– III कहानी साहित्य : प्रतिनिधि कहानियाँ : मराठी– डॉ. माधव सोनटक्के (प्रतिनिधि कहानियाँ)

1. प्रेम या पशुवृत्ति– विभावरी शिरूरकर
2. कर्जमुक्ति– रा. रं. बोराडे
3. लाल कीचड– भास्कर चंदनशिव
4. अब मैं पीछे हटूँगी नहीं– रामनाथ चव्हाण
5. प्रकाशवस्त्र– रेखा बैजल

इकाई– IV कविता साहित्य :

1. हमारे घर, शब्दों का धन और रत्न– संत तुकाराम महाराज
2. तेरी तेरी गति तूंही जानै– संत नामदेव महाराज
3. वेद से पहले तुम थे – बाबूराव बागुल
4. माँ होती है झूले का बल– विश्वाधार देशमुख
5. मैं रोटी कमाता हूँ, तुम गाना बुनती रहना – वीरा राठोड
6. दुख का अंकुश – भालचंद्र नेमाडे
7. नंगा टीला – दिलीप पुरुषोत्तम चित्रे
8. कविता और कवि – राजा होळकुंदे

पाठ्यक्रम की उपादेयता :

1. प्रस्तुत पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के पश्चात छात्र प्रादेशिक भाषा मराठी के उद्भव और विकास का परिचय प्राप्त करेंगे।
2. विभिन्न कालखंडो में मराठी भाषा के स्वरूप से अवगत होंगे।
3. मराठी के उपन्यास फकिरा तथा जोगवा में व्यक्त सामाजिक समस्याओं से परिचित होंगे।
4. मराठी कहानी साहित्य की विषय विविधता का परिचय प्राप्त करेंगे।
5. मराठी कविता के भाव सौंदर्य से अवगत होंगे।

पाठ्यक्रम अंक विभाजन :

आंतरिक मूल्यांकन : 50

सत्रांत परीक्षा : 50

कुलअंक : 100

संदर्भ ग्रंथ :

1. मराठी साहित्य परिदृश्य– चंद्रकांत बांदिवडेकर
2. प्रादेशिक भाषा और साहित्येतिहास – डॉ. सूर्यनारायण रणसुभे
3. मराठी साहित्य का इतिहास – प्रो. मीनाक्षी पाटील
4. अर्वाचीन मराठी वाङ्मयाचा इतिहास – प्र. न. जोशी
5. भारतीय साहित्य – डॉ. नगेंद्र
6. मराठी और उसका साहित्य – प्रभाकर माचवे
7. समकालीन मराठी साहित्य : गति–प्रगति– सं. चंद्रकांत पाटील
8. हिंदी मराठी का अनुदित साहित्य – सं. डॉ. माधव सोनटक्के, डॉ. सुधाकर शेंडगे
9. हिंदी साहित्य तथा भाषा को महाराष्ट्र की देन – डॉ. रणजीत जाधव
10. अर्वाचीन मराठी वाङ्मय का इतिहास – डॉ. बी.एल. पाटील

***

एम. ए. हिंदी (साहित्य) प्रथम वर्ष
द्वितीय अयन
Level : 6.0

HS-16 कथेतर साहित्य (जीवनी, निबंध, संस्मरण) (वैकल्पिक) श्रेयांक–4

पाठ्यक्रम के उद्देश्य :

1. प्रस्तुत पाठ्यक्रम के द्वारा छात्रों को कथेतर साहित्य की प्रमुख विशेषताओं से परिचित कराना।
2. कथेतर साहित्य की विधाओं से अवगत कराना।
3. जीवनी, निबंध तथा संस्मरण लेखन कौशल से परिचित कराना।
4. कथेतर रचनाओं में नीहित विचार, नैतिकता, आदर्श आदि का बोध कराना।
5. कथात्मक तथा कथेतर साहित्य के भेद से अवगत कराना।

अध्यापन पद्धति :

● व्याख्यान पद्धति ● विश्लेषण पद्धति ● समूह चर्चा

पाठ्यविषय :

इकाई– I कथेतर साहित्य का स्वरूप एवं विशेषताएँ
कथेतर साहित्य की प्रमुख विधाओं का परिचय
कथात्मक और कथेतर साहित्य में साम्य–वैषम्य
कथेत्तर साहित्य में

इकाई– II जीवनी साहित्य :
प्रेमचंद : घर में – शिवरानी देवी प्रेमचंद
प्रस्तुत जीवनी का कथावस्तुगत अध्ययन, आलोचनात्मक अध्ययन

इकाई– III निबंध साहित्य :
1. क्रोध – आचार्य रामचंद्र शुक्ल
2. आचरण की सभ्यता – सरदार पूर्णसिंह
3. नाखून क्यों बढते हैं ?– आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
4. पहला सफेद बाल– हरिशंकर परसाई
5. साहित्य और सौंदर्य – नामवर सिंह

इकाई– III संस्मरण साहित्य :

1. प्रणाम– महादेवी वर्मा
2. कमलेश्वर– कृष्णा सोबती
3. वसंत का अग्रदूत– अज्ञेय
4. विपक्ष का कवि : धूमिल– काशिनाथ सिंह
5. जे.एन.यू. में नामवर– सुमन केशरी

पाठ्यक्रम की उपादेयता :

1. प्रस्तुत पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के पश्चात छात्र कथेतर साहित्य के स्वरूप से परिचित होंगे।
2. कथेत्तर साहित्य की प्रमुख विधाओं का परिचय होगा।
3. कथेत्तर साहित्य की रचनाओं में व्यक्त विचार, संवदेना, नैतिकता तथा आदर्श से परिचित होंगे।
4. कथात्मक तथा कथेत्तर साहित्य के अंतर को समझेंगे।
5. कथेत्तर साहित्य के लेखन कौशल से अवगत होंगे।

पाठ्यक्रम अंक विभाजन

आंतरिक मूल्यांकन : 50

सत्रांत परीक्षा : 50

कुलअंक : 100

संदर्भ ग्रंथ :

1. पथ के साथी– महादेवी वर्मा
2. हम हशमत– कृष्णा सोबती
3. कथेतर– सं. माधव हाडा
4. हिंदी का कथेतर गद्य : परंपरा और प्रयोग– सं. दयानिधि मिश्र

5. प्रेमचंद घर में– शिवरानी देवी
6. भारतीय निबंध– केंद्रीय हिंदी निदेशालय
7. साहित्यिक निबंध– गणपतिचंद्र गुप्त
8. हिंदी निबंध– प्रभाकर माचवे
9. हिंदी साहित्य का कथेत्तर गद्य – सर्जना – डॉ. सुनील विक्रम सिंह
10. कथेत्तर गद्य विधाएँ : विविध विमर्श – डॉ. राहुल भदाणे

***

एम. ए. हिंदी (साहित्य) प्रथम वर्ष
द्वितीय अयन
Level : 6.0

HS-17 हिंदी भाषा और साहित्य को महाराष्ट्र का प्रदेय (वैकल्पिक) श्रेयांक–4

पाठ्यक्रम के उद्देश्य :

1. प्रस्तुत पाठ्यक्रम के द्वारा छात्रों को हिंदीतर भाषी प्रदेश के रूप में महाराष्ट्र के हिंदी भाषा व साहित्य के योगदान से परिचित कराना।
2. मराठी संत कवि व लेखकों से अवगत कराना।
3. मराठी लेखकों के हिंदी साहित्य में योगदान से छात्रों को परिचित कराना।
4. छात्रों को मराठी अनुवादकों के हिंदी अनुवाद कार्य से परिचित कराना।
5. महाराष्ट्र में सेवारत हिंदी सेवी संस्थाओं का परिचय कराना।

अध्यापन पद्धति :

- व्याख्यान पद्धति
- विश्लेषण पद्धति
- क्षेत्रीय कार्य

पाठ्यविषय :

इकाई– I महाराष्ट्र के प्रमुख संत कवि और उनका काव्य साहित्य, संत एकनाथ, संत नामदेव, संत तुकाराम, समर्थ रामदास तथा अन्य संत कवि।

इकाई– II महाराष्ट्र के आधुनिक हिंदी लेखक एवं उनका साहित्यिक अवदान : अनंत गोपाल शेवडे, प्रभाकर माचवे, चंद्रकांत बांदिवडेकर, मालती जोशी, दामोदर खडसे, गजानन माधव मुक्तिबोध, बाबूराव विष्णु पराडकर, सुनील कुमार लवटे, सूर्यनारायण रणसुभे आदि।

इकाई– III हिंदी साहित्य को मराठी अनुवादकों का प्रदेय : प्रमुख अनुवादक और उनका अनुवाद कार्य, निशिकांत ठकार, वेदकुमार वेदालंकार, सूर्यनारायण रणसुभे, प्रकाश भातब्रेकर, चंद्रकांत पाटील, दामोदर खडसे, गोरख थोरात आदि।

इकाई– IV हिंदी भाषा एवं साहित्य के विकास में महाराष्ट्र का योगदान : मराठी और हिंदी का अंतः संबध, महाराष्ट्र प्रदेश में हिंदी के प्रयोग की परंपरा, महाराष्ट्र में हिंदी के प्रयोग एवं प्रभाव के कारण : सामाजिक, धार्मिक, सांस्कृतिक, साहित्यिक, राजनीतिक आदि। महाराष्ट्र में हिंदी प्रचारक संस्थाएँ, महाराष्ट्र में हिंदी।

पाठ्यक्रम की उपादेयता :

1. प्रस्तुत पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के पश्चात छात्र हिंदी भाषा एवं साहित्य के विकास में महाराष्ट्र के योगदान से अवगत होंगे।
2. छात्रों को मराठी संत कवियों द्वारा लिखित हिंदी काव्य का परिचय होगा।
3. मराठी लेखकों द्वारा हिंदी में रचित साहित्य का परिचय होगा।
4. मराठी अनुवादकों द्वारा हिंदी अनुवाद कार्य का ज्ञान होगा।
5. महाराष्ट्र में मराठी और हिंदी के प्रयोग का परिचय होगा।

पाठ्यक्रम अंक विभाजन :

आंतरिक मूल्यांकन	: 50
सत्रांत परीक्षा	: 50
कुलअंक	: 100

संदर्भ ग्रंथ :

1. मराठी साहित्य परिदृश्य – चंद्रकांत बांदिवडेकर
2. प्रादेशिक भाषा एवं साहित्येतिहास – डॉ. सूर्यनारायण रणसुभे
3. हिंदी के विकास में महाराष्ट्र का योगदान – सं. डॉ. प्रभात
4. महाराष्ट्र और हिंदी साहित्य – डॉ. कल्पना पाटील
5. भारतीय साहित्य – डॉ. नगेंद्र
6. महाराष्ट्र में हिंदी – डॉ. हाशमबेग मिर्जा
7. मराठी और उसका साहित्य– प्रभाकर माचवे
8. प्रतिनिधि कहानियाँ : मराठी– डॉ. माधव सोनटक्के
9. समकालीन मराठी साहित्य : गति–प्रगती– सं. चंद्रकांत पाटील
10. भारतीय साहित्य– डॉ. नगेंद्र
11. हिंदी साहित्य तथा भाषा के महाराष्ट्र की देन – डॉ. रणजीत जाधव

***

एम. ए. हिंदी (साहित्य) प्रथम वर्ष
द्वितीय अयन
Level : 6.0

HS-18 अंतः कार्य प्रशिक्षण (On job Training) श्रेयांक–4

अंत : कार्य प्रशिक्षण के उद्देश्य :

1. प्रस्तुत प्रशिक्षण कार्य के द्वारा छात्र अध्ययन के साथ–साथ रोजगाराभिमुख कौशल प्राप्त करेंगे।
2. अध्ययन के साथ–साथ स्वयंरोजगार तथा आत्मनिर्भरता की सोच का विस्तार होगा।
3. ज्ञान के साथ–साथ कौशल भी आत्मसात करेंगे।
4. अंत : कार्य (On job Training) के द्वारा छात्र उद्यमिता की ओर आकर्षित होंगे।
5. ज्ञान और कौशल के संयोग से छात्र भविष्य की चुनौतियों के प्रति सक्षम होंगे।

संभावित क्षेत्र :

- पत्रकारिता
- अनुवाद
- इलैक्ट्रॉनिक मीडिया
- अध्यापन कार्य

***

एम. ए. हिंदी (साहित्य) प्रथम तथा द्वितीय वर्ष
परीक्षा पद्धति, मूल्यांकन एवं अंक विभाजन

* आंतरिक मूल्यांकन (4 श्रेयांक)

- लघुत्तरी परीक्षा : 20 अंक
- शोध–परियोजना : 20 अंक
- शोध–परियोजना प्रस्तुति : 10
- अयनांत परीक्षा : 50
- कुल अंक : 100

* आंतरिक मूल्यांकन (2 श्रेयांक)

- लघुत्तरी परीक्षा : 15 अंक
- शोध–परियोजना : 05 अंक
- शोध–परियोजना प्रस्तुति : 05
- अयनांत परीक्षा : 25
- कुल अंक : 50

* लघुत्तरी एवं अयनांत परीक्षा/प्रश्नपत्र स्वरूप

- लघुत्तरी परीक्षा (4 श्रेयांक) में कुल आठ प्रश्न विकल्प के साथ होंगे, जिनमें से चार प्रश्न लिखने होंगे। प्रति प्रश्न अंक (05) होंगे।
- अयनांत परीक्षा (4 श्रेयांक) में विकल्प के साथ कुल दस प्रश्न होंगे, जिनमें से पाँच प्रश्न लिखने होंगे। पाँचवा प्रश्न टिप्पणी/ससंदर्भ व्याख्या का होगा। प्रति प्रश्न अंक (10) होंगे।
- लघुत्तरी परीक्षा (2 श्रेयांक) में विकल्प के साथ कुल छह प्रश्न होंगे, जिनमें से केवल तीन प्रश्न लिखने होंगे। प्रति प्रश्न अंक (05) होंगे।

- अयनांत परीक्षा (2 श्रेयांक) में विकल्प के साथ कुल छह प्रश्न होंगे, जिनमें से केवल तीन प्रश्न लिखने होंगे। तीसरा प्रश्न टिप्पणी/ससंदर्भ व्याख्या का होगा।
- शोध परियोजना पाठ्यविषय से संबंधित होगी। विद्यार्थी अध्यापक के साथ विचार–विमर्श कर शोध–परियोजना का विषय निश्चित कर सकते हैं।
- विद्यार्थी द्वारा संपन्न शोध–परियोजना पर आधारित प्रस्तुति होगी।

***